



# VISION IAS

www.visionias.in



## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2088)

Name of Candidate	Ishwar Lal Prayag.		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	1295818.
Center	MN.	Date	11 Sep, 2023

### INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

### INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**.  
इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended

Strongly Recommended

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sind Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best



## खण्ड-A (Section-A)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

- 1.(a) दोहरे प्रभाव का सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार या आचरण किसी ऐसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए है जो नैतिक रूप से सही है, लेकिन उसके परिणामस्वरूप एक नैतिक दुष्प्रभाव भी पड़ता है, तब भी उस विशेष व्यवहार या आचरण को अपनाना स्वीकार्य होगा। यह सिद्धांत कठिन नैतिक स्थितियों को सुलझाने में कहां तक सहायता कर सकता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

The principle of double effect is based on the idea that if a person's behaviour or conduct is intended to achieve a goal which is morally good, however, as a result, there is a morally bad side-effect, then it is still acceptable to adopt that particular behaviour or conduct. How far can this principle aid in resolving difficult moral situations? Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

यहाँ साध्य और साधन की पवित्रता का  
हन्ड है। एक तरफ महात्मा गांधी और अहं  
जैसे विचारक साधन व साध्य दोनों की  
ही पवित्रता की बात करते हैं।  
जैसे स्वतंत्रता (साध्य) / अहिंसा (साधन)  
हिंसा (अपवित्र साधन)  
- दूसरी तरफ पापकथ, मैथिलानी  
व कार्ल मार्क्स जैसा साधन साध्य की  
पवित्रता को मानते हैं। साध्य की प्राप्ति हेतु  
साम, दाम, दण्ड सबका उपयोग किया जा सकता



है जैसे- समानता। गैरसम डौली - बॉल गार्ड सही  
- आर्थिक उपयुक्त मानें।

लोक सेवा में यह सिद्धान्त नीति  
होना चाहिए। के अर्थ में सहायता करता  
है। ① लोक सेवा के निर्णय अधिकृतिक  
मूल्यों के अनुसार लेना चाहिए। साध्य की  
प्राप्ति के लिए अनुसंधान प्रक्रिया को अपनाने  
की गजाल विधि का समाधान व प्रक्रिया  
का पालन करना।

द्व. आपराधी को सजा रक्तकण्ट द्वारा नहीं देना

② लोक सेवा को समानता, स्वतंत्रता,  
समर्पण विकास, सामाजिक न्याय के लिए  
हमेशा साध्य - साधन की प्रतिष्ठा का  
ध्यान रखना चाहिए। द्व. विशेष वेदी द्वारा  
उद्देश्यों के लिए वर्क व विशेष प्रोग्राम करना



1.(b) भारतीय गणराज्य ने सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह शीर्ष को अपने राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में चुना, ताकि वैसी ही सद्भावना को प्रतिबिंबित किया जा सके जैसी सम्राट अशोक द्वारा हासिल की गई थी और आधुनिक भारतीय राष्ट्र के लोगों के लिए उनके द्वारा लागू की गई मानवीय नीतियों की निरंतरता बनी रहे। इस पृष्ठभूमि में, उन नैतिक शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो सम्राट अशोक के जीवन में प्रतिलक्षित होती हैं।

The Indian Republic chose Ashoka's Lion Capital at Sarnath as its state emblem to reflect the same harmony achieved by him and effect a continuity with his humane policies towards the people of the modern Indian nation. In this background, discuss the ethical teachings that find resonance in Ashoka's life. (Answer in 150 words)

10

सम्राट अशोक ने युद्ध नीति को छोड़कर  
धम्म नीति को अपनाया और लोगों के कल्याण  
में अपनी सत्ता का प्रयोग किया। महत्वपूर्ण  
नैतिक शिक्षाएँ—

① जिंजा और जिन दो - अशोक ने  
विदेश नीति में इसे अपनाया उसने युद्ध की  
वजाय युद्ध के संदेश का प्रचार किया  
वर्तमान में भारत की विदेश-नीति वैश्व-  
कुटुम्बत्व (one earth, one family) के मंत्र  
का अनुपालन करती है।

② अहिंसा और करुणा -  
अशोक ने पशु हिंसा, पशु बलि पर रोक  
लगा दी। भारतीय संविधान के भाग में



गो दया पर शब्द उन्ही से प्रेरित हैं।  
गांधी जी ने अहिंसा और अक्रिया से ही  
भारत को स्वतंत्रता दिलवाई।

लोक सेवा में कृष्णा / सभापति  
का विशेष महत्व है। वंशित वर्गों के प्रति यह  
आप. S.R. गौड़न (RAS) की सेवा में भी  
दिखाता है।

(3) एक आदिश लोक सेवा के  
अन्तर्गत अशोक ने जनकल्याण हेतु अ-  
व्यय को  $\frac{1}{6}$  कर दिया। उन्होंने आपत्तिका  
कराया, नौकर बनाई आदि वर्तमान में भारत  
जन कल्याण से जग कल्याण के आदिश  
को लेकर ही अमृत काल में व्यतीत है।  
प्रत्येक लोक सेवा को  
अशोक की तरह ही धर्मनिष्ठ व जन-  
हित होना चाहिए।



2.(a) करुणा और सहिष्णुता अनिवार्यताएं हैं, विलासिता नहीं क्योंकि इनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। करुणा और सहिष्णुता के मूल्य किसी लोक सेवक के दैनिक काम-काज में कैसे सहायता करते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Compassion and tolerance are necessities and not luxuries, as without them, humanity cannot survive. How do the values of compassion and tolerance assist in the day-to-day functioning of a civil servant? Explain using suitable examples. (Answer in 150 words)

10

करुणा से आशय पीछा, वंचित  
के प्रति सहिष्णु दया भाव रखते हुए उनकी  
सहायता करना है - C.J.R. D.Y. पन्डित ने  
करुणा भाव से ही दो दिव्यांग बालिकाओं को  
गोद लिया।

सहिष्णुता सहन करने का गुण है।  
अपने से आलाप, धर्म, विचार, नस्ल व  
भाषा - भाषी समुदाय के प्रति सहिष्णु बने  
रहना है - भारत में अनु. 25 के तहत धार्मिक  
स्वातंत्रता व सर्वधर्म समभाव से  
भाषना गांधी जी के प्रार्थना में

लौह सेवक के दैनिक काम-काज में मूल्य  
को सेवा के प्रति समर्पण की भावना को करुणा



इस वक़्त जा सकता है।

६५ मंजू राजपाल (24) ने क़रणा के तहत  
से वंछित वर्ग की दो लक्षियों को देख

७ सीधुता लोड सेव की निर्यसकीयता  
को कई गुना बढ़ा देती है। ७- डार्म-ड्रॉग  
फॉर्म की सीधु नीतियाँ जनजातियाँ व  
नस्लीय मोहवा से परे रही।

८ क़रणा व सीधुता लोड सेव की  
कुशलता, प्रभावशीलता व स्वीकार्यता को  
बढ़ा है। ६५ ए.पी.जे अबुल क़लाम की  
पीपल्स फ़्रेंड्स की धाँसी

उता: क़रणा व सीधुता लोडसेव  
के बुजुर्ग मूल्य है।

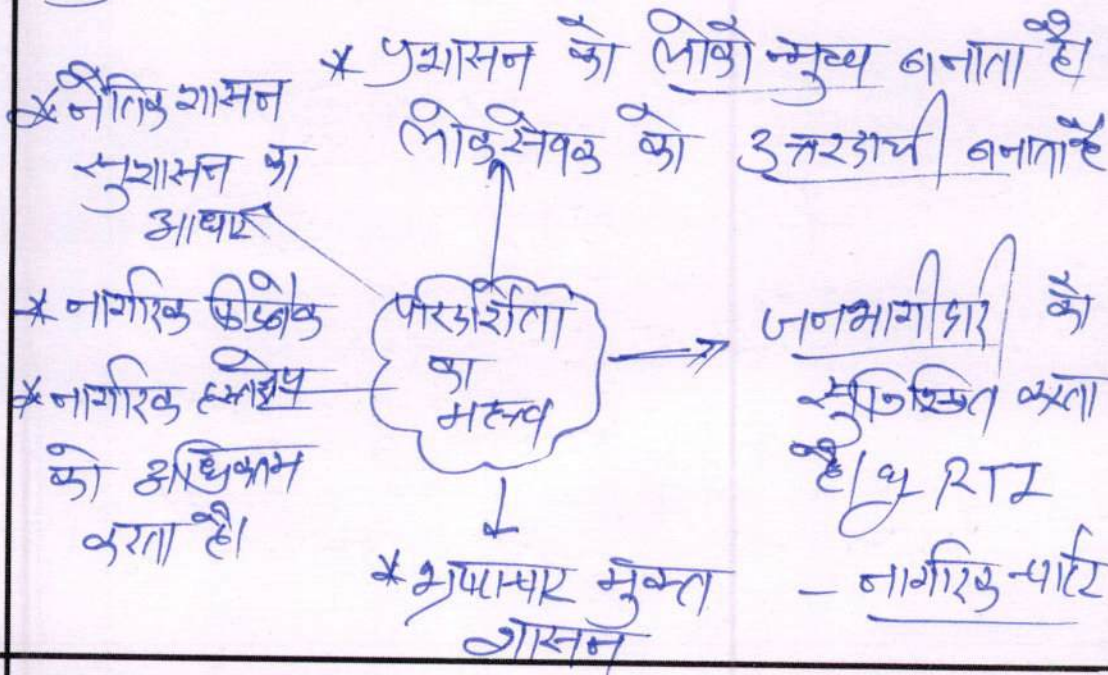


2.(b) जवाबदेही के लिए पारदर्शिता एक अनिवार्य शर्त है, लेकिन यह स्वतः जवाबदेही की गारंटी नहीं देती है। चर्चा कीजिए। किन परिस्थितियों में पारदर्शिता जवाबदेही की ओर ले जाती है?

Transparency is a necessary condition for accountability, but it does not automatically guarantee accountability. Discuss. Under what conditions does transparency lead to accountability? (Answer in 150 words) 10

जवाबदेहीता से आशय लोक सेवा द्वारा  
अपने कर्तव्यों व कर्त्यों के प्रति उत्तरदायी  
होने व जॉय के लिए उत्तरदायी होने का भाव  
से है। य. लोक सेवा गारंटी एक्ट के तहत  
(राजस्थान सरकार)

पारदर्शिता जवाबदेही को बढ़ाने के लिए  
अनिवार्य शर्त है। II ARC ने तो RTI को  
अनुशासन के तौर पर भी खास भी कहा है।





पारदर्शिता जवाबदेही से और ले जॉन वॉली  
जीरखिछियाँ -

① जन जागरूकता होने पर जनता  
RTI, नार्मल चार्टर का प्रयोग कर शासन  
में जवाबदेही से भाग कर सकती है।  
यु. RTI कार्यकर्ता के प्रयोगों से ही  
CIT कार्यलय RTI के दोष

② लोक सेवाओं से सक्रियता अभिवृद्धि  
लोक सेवाओं को जन सहायिता, के लिए  
तैयार रहना चाहिए यु. यु. स्वयंसेवा द्वारा आय का  
स्वतः जुगासा करना

③ ई गवर्नेंस, तकनीकी करता,  
वेब आधार, निहित सुधार व प्रशासनिक  
सुधार जवाबदेहीता को बढ़ाता है।  
कता पारदर्शिता आवश्यक है  
लेकिन पर्याप्त नहीं है। जन जागरूकता का  
परासी है



3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?  
What does each of the following quotations mean to you?

(a) "एक महान व्यक्ति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति से इस मायने में भिन्न होता है कि वह समाज का सेवक बनने के लिए तैयार रहता है।" डॉ. भीमराव अंबेडकर

"A great man is different from an eminent one in that he is ready to be the servant of the society." B.R. Ambedkar (Answer in 150 words) 10

"महान व्यक्ति वही है जो समाज को महान बनाता है वह नहीं जो समाज द्वारा महान बनाया जाता है।" (महात्मा गांधी) का यह उद्धरण 'B.R. अम्बेडकर जी' के कथन की ही व्याख्या करता है।

समाज का सेवक बनकर ही जनसेवा की जा सकती है न कि स्वामी बनकर। जो स्वामी के माध्यम से लोकसेवा करते हैं वह प्रतिष्ठित लोक भी जनसेवक नहीं बन सकते हैं।

डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने वैजितों, दलितों की सेवा-सेवा के माध्यम से ही वही 'गांधी जी' ने भी खुद को जोधने



का सबसे अच्छा माध्यम - स्वयं को  
दूसरों की सेवा में भुल जाना ही माना।

लोक सेवा में पारमरिका

1.7.7 सेवक की श्रुति लोक सेवा करते हुए  
परमेश्वर अर्घ्य ने स्वयं भारत अभियान  
के एक जन आन्दोलन का रूप दे दिया।

2.7 डॉ. सुभाष चर्मा ने जैनेन्द्रियों के  
क्षेत्र में श्रुति होने का काम सेवक के भाव  
में ही दिया।

3.7 डॉ. क्रिया देवपन (IAS) ने अधिकांसियों  
की सेवा की तो अधिकांसियों ने अपने  
जोष का नाम ही उनके नाम पर रख दिया।

लोक सेवा में लाट साटव या  
माई बाप बनकर सेवा नहीं की जा सकती।  
मदर रिंसा की महानता का कारण उनका  
सेवा भाव ही है।



3.(b) "हमारे धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, भाषाएं अलग-अलग हो सकती हैं, त्वचा का रंग अलग-अलग हो सकता है, लेकिन हम सभी एक ही मानव जाति से संबंधित हैं।" कोफी अन्नान

"We may have different religions, different languages, different colored skin, but we all belong to one human race." Kofi Annan (Answer in 150 words)

10

मानवता की भाषना में धर्म,  
जाती, नस्ल का भाष गौण हो जाता है।  
भारतीय वैदिक साहित्य में सम्पूर्ण पृथ्वी  
के मनुष्यों को एक ही परिवार का माना  
है। वसुधैव कुटुम्बकम् (one earth, one family)

शौच सेवा में उत्सुकिता

1.17 भारत एक बहुधार्मिक, बहुभाषी, बहुनस्ली  
समाज है। शौच सेवा को बिना किसी भेदभाव  
के सभी नागरिकों का जिम्मेदारी, वसुधैव  
से कल्याण करना चाहिए।

५- मिश्र घोषण द्वारा बाल्यम  
का उन्मूलन करना

५- मोहम्मद शरीफ यादव की सेवा



2.7 'गांधी जी' के अनुसार 'पुत्रासन' के  
द्वार पर आया प्रत्येक व्यक्ति ईश्वर का  
स्वरूप है। उक्त अन्वय और  
अर्थोदय होय सबका कल्याण हो।

3.7 धर्मनिरपेक्षता, समानता का भाव  
अभिधान के मूल्य अर्थों व उद्देश्य  
के साथ लोकसेवा के मूल मूल्य में  
भी शामिल है।

4. असलम खान (RPS) द्वारा की  
गई दफ्तर के परिवार का भरण

उक्त मानव मात्र की प्राणीमात्र  
की सेवा बिना भेदभाव के करनी चाहिए

5. खुशियों की लहर व्यवस्था



3.(c) "शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का ज्ञान है।" विलियम राल्फ इंगे

"The aim of education is the knowledge, not of facts, but of values."  
William Ralph Inge (Answer in 150 words)

10

अंग्रेजी में एक कथन है कि -

"Children must be taught how to think  
not what to think" आतः शिक्षा  
व्यक्ति को सोचने वाला विवेकपूर्ण प्राणी बनाती  
है। विवेकपूर्ण ने शिक्षा की परिभाषा देते  
हुए कथ भी है कि - "शिक्षा व्यक्ति में  
आत्मनिष्ठता प्रकृति की अभिव्यक्ति है।

प्रार्थना - ० भूमिका जानकारी तो देती है  
लेकिन समाज विकसित नहीं  
करती है।

५- ३ व्याप्ति शिक्षा दोनों की स्थिति  
इमानदार में समाज को  
४ व्यक्ति साक्षर जागरूक नागरिक  
वैश्वमान शिक्षा  
जगति शिक्षा, इमानदारी व कोशल इनको



⑩ लोकसेवा व समाज में नीतिगत मुद्दों  
- नीतिगत मुद्दों से ही व्यक्ति महान बनता  
है न कि तथ्यों से। उदा. गांधी, लुथर

⑪ मूल्यधन शिक्षा - धानाक उपराधी,  
भ्रष्ट अधिकारियों व धूर्त नेता पैदा करती  
है। उदा. - उओसामा बिन लादन [शिक्षित  
आतंकवादी]

⑫ आध्यात्मिक विकास, नीतिगत जीवन व  
असमर्थता आती है कि जिस मूल्य आधारित  
विज्ञान पकरी है।

[उदाहरण] कहते भी हैं कि जो  
शिक्षा हृदय को शिक्षित कर बिना केवल  
मस्तिष्क को शिक्षित करे वह शिक्षा नहीं  
है।

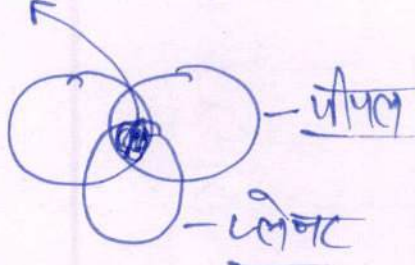


- 4.(a) नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस की अवधारणा समता के संतुलन के सिद्धांत पर काम करती है, जिसके तहत एक तरफ कंपनी, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, वित्त-पोषकों, सरकार और शेयरधारकों तथा दूसरी तरफ बड़े पैमाने पर समुदाय के हितों में संतुलन बनाए रखा जाता है। नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने में कौन-से मूल्य मुख्य भूमिका निभाते हैं?

The concept of ethical corporate governance works on the principle of balance of equity, which seeks to balance the interests of the company, customers, suppliers, financiers, government and shareholders on the one hand and the community at large on the other hand. Which values play a central role in ensuring ethical corporate governance? (Answer in 150 words)

10

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस तीन व्यक्तियों  
के सम्बन्ध करता है।  
यु- CSR, ESG  
जुष्टिस



नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस के मूल्य: भूमिका

2.7 पारदर्शिता, वसुधैविता व नैतिक मूल्यों  
का समन्वय होना चाहिए  
यु- ग्रेवी द्वारा BRSR द्वारा संचालनीय  
रिपोर्टिंग को अपनाने की शक्ति

2.7 पर्यावरण, समाज और गवर्नेंस (ESG)  
को अपनाना यु- कंपनी स्मृत 2013 के  
तहत सामाजिक उत्तरदायित्व को द्वारा



3) लाभ के साथ-साथ समुदाय का  
अभिव्यक्ति करना

vy- मोल्डा ग्रुप का नन्ही बली,  
प्रिन्स बालिका विशा

47- स्वच्छ आचनीका आधारित वर्कवर्ल्ड

vy- टाटा ग्रुप द्वारा ब्लड ऑनरेशन पर  
आयकाश देना

vy google की रजिस्टर महिला

आता अपैरिट गवर्नेस संवर्षी

उच्च जोखिम उमेदी की सिफारिशों को लागू

जैसा हुरु रजिस्टर अपैरिट गवर्नेस

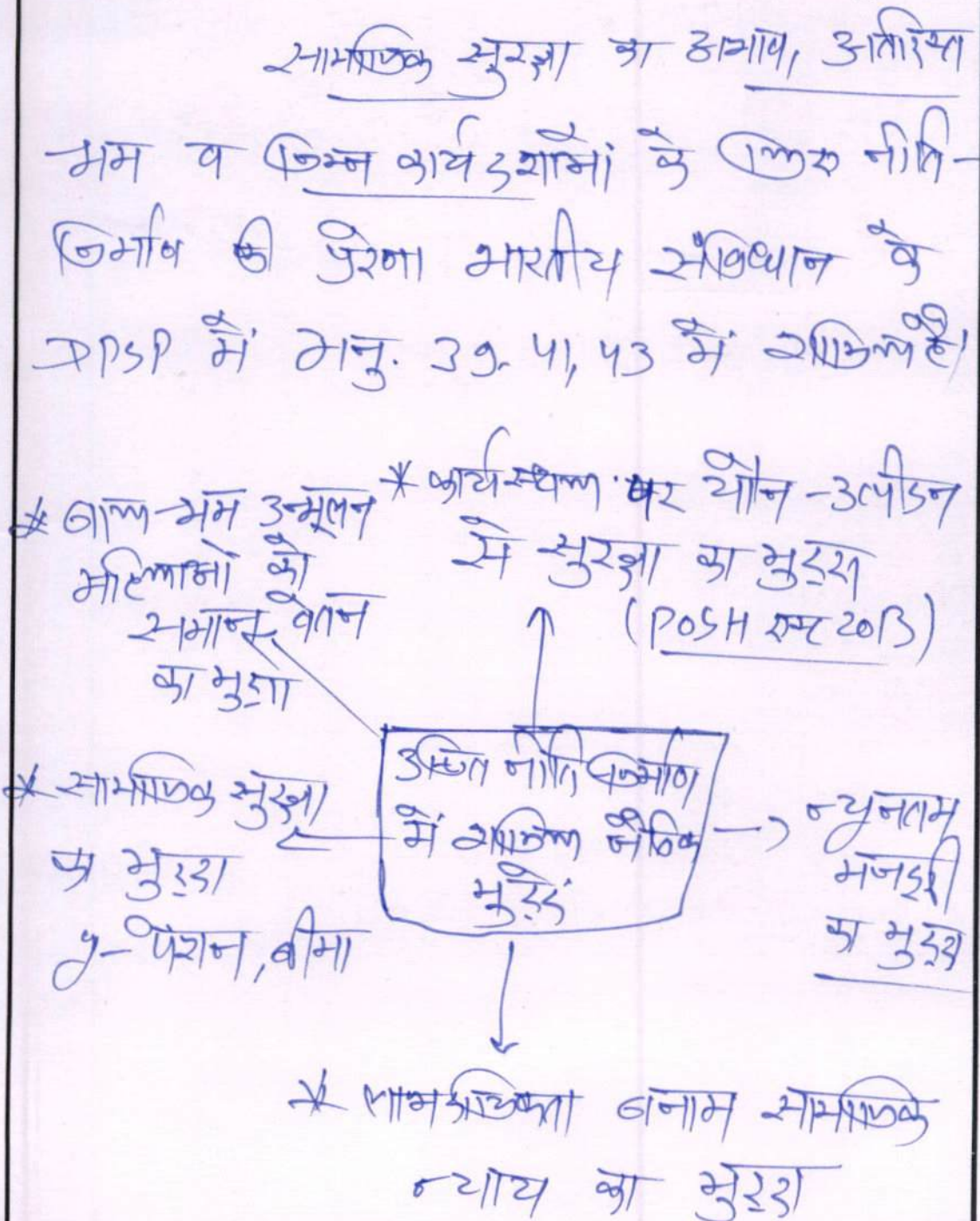
की डोर बने



- 4.(b) खराब कार्य परिवेश और अतिरिक्त श्रम ऐसी सामाजिक समस्याएं हैं, जिनके लिए सरकार, श्रमिक संघों, स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कॉर्पोरेट जगत को उचित नीति निर्माण करने की आवश्यकता है। इस संबंध में उचित नीति निर्माण करते समय किन नैतिक मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए?

Toxic work environment and overwork are social problems, which require the government, labour unions, health officials and corporates to formulate appropriate policies. What are the ethical issues that should be considered while formulating appropriate policies in this regard? (Answer in 150 words)

10





आमगारों की भागीदारी, स्टैकहोल्डर्स  
की भागीदारी सुनिश्चित करें हुए आइएन  
वर्नोने की जरूरत थी

भारत में 29 मीम आइएन  
की जगह 4 मीम सीएलआई को लाया  
गया है। 5-मीम आई जैसे प्रयास  
भी किए गए हैं।



5.(a) नेतृत्वकर्ताओं के लिए, सफलता हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता का होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें दूसरों की भावनाओं को सहजता से समझने और उनकी भावनात्मक स्थिति का आकलन करते हुए, अपनी भावनाओं को समझने एवं नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। हालांकि, वर्तमान परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में प्रभावी नेतृत्व के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता से परे जाने और सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता को विकसित करने की आवश्यकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

For leaders, having emotional intelligence is vital for success as it helps them to read and regulate their own emotions while intuitively grasping how others feel and gauging their emotional state. But effective leadership in today's interconnected world necessitates going beyond emotional intelligence and cultivating cultural intelligence. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)

10

"भावनात्मक बुद्धिमत्ता किसी व्यक्ति की सफलता में 80-1. योगदान देती है-प्रिन्सिपल गोलमैन"। हालांकि यह एक और वैश्वीकरण युग की आवश्यकता की वर्तमान में वैश्वीकरण के दौर में ग्लोबल विलेज में सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता की जरूरत है।

सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता का महत्व

1.7 समालोचिता, LEADCO, संस्कृतीकरण विविधता वाढ़ता लेकिन संस्कृतीकरण अधिक सहिष्णु सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता का महत्व बताता है।



2.7 सांस्कृतिक बृद्धिमाता आलग-अलग सांस्कृतिक  
उपग्रहों में विलीन लोगों के साथ सांस्कृतिक  
रखीकरण को बढ़ावा देता है।

व्य- अमेरिका के खिलाफ वैश्वी में  
भारतीय, चीनी, अन्य लोगों का

3.7 सांस्कृतिक समझ व्याप्ति को अधिक  
अधिक, प्रगतिशील व मुक्त बनाती  
है। व्य- अमेरिकियों का समर्थन करना

मोड सेवकों के लिए सांस्कृतिक  
बृद्धिमाता आम्य उपस्थिता, सविवाही संघर्षों  
के समाधान हेतु जारी होती है।



5.(b) शुचिता (प्रोबिटी) सत्यापित सत्यनिष्ठा होती है, जिसके बारे में आमतौर पर माना जाता है कि इसे विकृत नहीं किया जा सकता। अभिशासन में शुचिता का क्या महत्व है? लोक सेवा में शुचिता और नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Probity is confirmed integrity, which is usually regarded as being incorruptible. What is the significance of probity in governance? How important is the role of leadership in fostering probity and ethical governance in public service? Explain using suitable illustrations. (Answer in 150 words)

10

शुचिता सार्वजनिक नैतिक गुणों का एक स्रोत है। शुचिता हर हाल में नैतिक मूल्यों पर बने रहने का गुण है। जब कोई भी न डूब रहा है -  
यु-रात को उबने से लाइ रहने पर  
लकना।

शुचिता का महत्व

- 1. विश्वसनीय लोक शासन बनने में
- जनभिन्न शासन द्वारा जनता को अधिक भागीदारी की भूमिका देना
- आदर्श लोक सेवा समाज के बने
- मांसा होते हैं - य-र. पी. जे. अदुल कलाम



- सुविधा नैमित्तिक को प्रोत्साहित कर  
अपत्यार मुक्त अभिशासन बनाती है।

सुविधा के लिए नैमित्तिक की भूमिका

1-7 सुविधापूर्ण नैमित्तिक अभिशासन को नया  
रूप देगा

५- जो विरुद्ध आशयों ने अंतरों को

2-7 नैमित्तिक सम्पूर्ण शासन की सुविधा का  
प्रबलित होता है यह मानक मोट करता

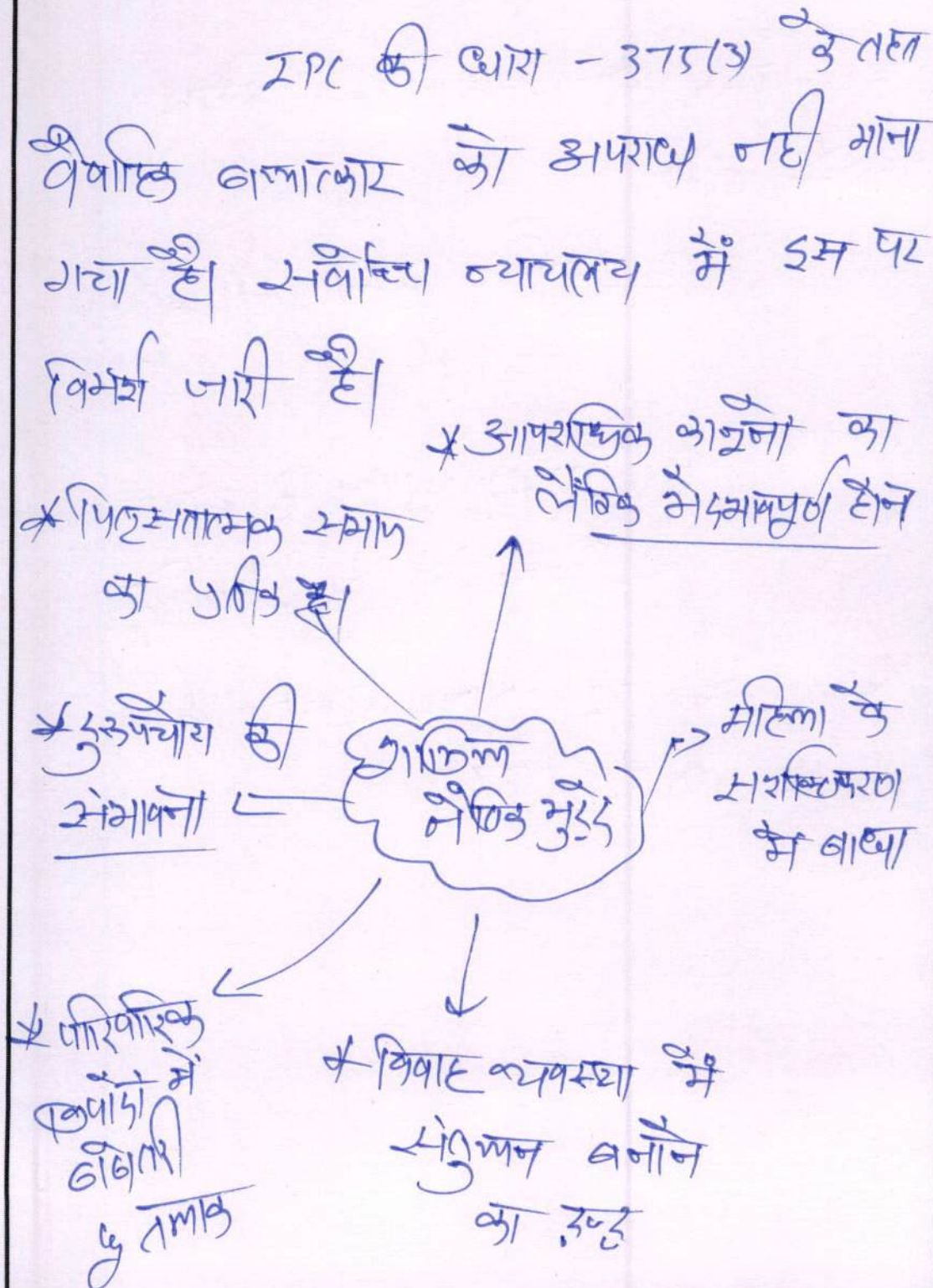
५- जाल बंदूत शास्त्री हास अन्तीक्रीडन

उत्तः सुविधा नैमित्तिक को यह  
नैमित्तिक आध्यात्मिक है।



- 6.(a) भारत में वैवाहिक बलात्कार की धारणा और इसके प्रति अनुक्रिया को आकार देने में नैतिक अभिवृत्ति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। देश में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में विद्यमान नैतिक मुद्दों की व्याख्या कीजिए।

Analyse the role of moral attitude in shaping the perception and response to marital rape in India. Explain the ethical considerations in criminalising marital rape in the country. (Answer in 150 words) 10





आपराध घोषित करने पर अधिकृत  
नौकर मुहूर्त

(1) इससे विवाद व्यवस्था  
पर ही खतरा आ सकता है। तलाक़  
के मामलों में

(2) आश्रित करना मुख्य  
है।

(3) प्रक्रिया जल्दी से आता  
महिलाओं का शोषण होता

आता इस पर व्यापक निर्णय की  
जानकारी है



6.(b) नैतिक निर्णय के लिए चेतना के अलावा विवेक का होना भी आवश्यक है। उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Apart from consciousness, one needs to possess conscience in order to make ethical decisions. Explain with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

चेतना और विवेक दोनों ही  
नैतिक निर्णय का आधार होती हैं।  
विवेक को लोगों ने सर्वोच्च महत्त्व  
माना है। निर्णय में विवेक की  
उत्तम भूमिका होती है।

जु- विवेक द्वारा व्यवहारिक समाधान  
को चुनना [ सामुदायिक हितों  
[ सामुदायिक संतुष्टि में

विवेक के कारण लोकसेवक वेल्फेयर  
समाधान कर पायेगा जु आर्मस्ट्रॉंग  
पॉले द्वारा क्राउड फंडिंग में 100K व्य  
स्टार्ट का निर्माण करना।



लिवेड द्वारा संचाली समाधान  
मिम्ब होगा य- 5.2. 2018 द्वारा  
वंधुभा भाग्यी के सभाज 42ना

संस्थागत मुद्रा संभव है  
य- पुनर्ग मुद्रा (T.M. 2018)

आतः पोता के साथ लिवेड  
से नवम्बरी, प्रगतिशील समाधान  
संभव होगा



## खण्ड-B (Section-B)

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत मामले का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और फिर इसके बाद आने वाले प्रश्नों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. भले ही LGBTQIA+ युगल एक साथ रहते हों लेकिन कानूनी तौर पर वे एक प्रतिकूल स्थिति में हैं। उन्हें वे सारे अधिकार प्राप्त नहीं हैं जो विवाहित जोड़ों को प्राप्त हैं। उदाहरण के लिए- LGBTQIA+ युगल, बच्चों को गोद नहीं ले सकते या सुरोगेसी से बच्चा पैदा नहीं कर सकते हैं, उनके पास विरासत, भरण-पोषण और कर लाभ के स्वतः मिलने वाले अधिकार नहीं हैं तथा अपने साथी के निधन के बाद, उन्हें पेंशन या मुआवजे जैसे लाभ नहीं मिल सकते हैं। इससे भी बड़ी बात यह कि विवाह एक सामाजिक संस्था है जो कानून द्वारा निर्मित और विस्तृत रूप से विनियमित है, ऐसे में सामाजिक स्वीकृति के बिना, समलैंगिक युगल एक साथ जीवन जीने के लिए संघर्ष करते हैं।

समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने के लिए हाल के वर्षों में न्यायालयों में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। लैंगिक अधिकार प्रचारकों के अनुसार, समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के बाद समलैंगिक विवाह को मान्यता देना अगला तार्किक कदम होना चाहिए।

हालांकि, दूसरा दृष्टिकोण यह है कि न्यायिक व्याख्या विवाह की अवधारणा को अस्त-व्यस्त या कमजोर न कर दे। यह तर्क दिया जाता है कि सरकार के लिए बीच का रास्ता यह हो सकता है कि वह समलैंगिक युगल की दलीलों पर गौर करने और कोई रास्ता सुझाने के लिए किसी पैनल का गठन करे।

एक जागरूक व्यक्ति के रूप में, जो इस मुद्दे के विभिन्न आयामों को समझता है, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- क्या आपको लगता है कि भारत में समलैंगिक विवाह को राज्य द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए?
- आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि क्या कानून सामाजिक परिवर्तन लाने में प्रभावी हो सकता है।

Even if the LGBTQIA+ couples live together, legally, they are on a slippery slope. They do not enjoy the rights that married couples do. For example, the LGBTQIA+ couples cannot adopt children or have a child by surrogacy, they do not have automatic rights to inheritance, maintenance and tax benefits, and after a partner passes away, they cannot avail benefits like pension or compensation. Most of all, since marriage is a social institution that is created by and highly regulated by law, without this social sanction, same-sex couples struggle to make a life together.

A number of petitions have been filed in recent years in courts for the legal recognition of same-sex marriages. Gender rights campaigners believe that recognizing same-sex marriages is the next logical step after the decriminalization of homosexuality.

However, the other point of view is that the concept of marriage ought not to be disturbed or diluted by judicial interpretation. It is argued that a middle path could be for the government to set up a panel to look into the pleas of same sex couples and recommend a way out.



As an aware individual, who understands various dimensions of this issue, answer the following:

- (a) Discuss the ethical issues involved in the case.
- (b) Do you think same-sex marriage should be recognised by the State in India?
- (c) Critically examine whether law can be effective in bringing about social change.

20

(c) नवोत्तम सिंह जौहर बनाम यूनियन ऑफ इंडिया वाद - 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया था। हाल ही में समलैंगिक विवाह को मान्यता देने को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई जारी है।

नैतिक मुद्दे - (i) संवैधानिक नीतिगत आ मुद्दा जो अनुच्छेद - 21 के तहत व्यक्ति के जीवन को स्वतंत्र बनाती है।

(ii) सामाजिक नीतिगत बनाम शासकीय नीतिगत में टकरा। जैसे - समाज अग्रणी संबंधों को अवैध मानता है जबकि न्यायालय वैध

(iii) बहुसंख्यक की नीतिगत बनाम अल्पसंख्यक LGBTQ की नीतिगत में टकरा



(iv) व्यक्तिगत नैतिकता बनाम सामाजिक नैतिकता  
में इन्हें धु-विवाद चयन की स्वतंत्रता  
के तहत एक मौलिक अधिकार

(v) उदार व सम्य समाज बनाम परम्परावादी  
समाज का इन्हें है।

(B) समलैंगिक विवाह की मान्यता के पुत्रा में तर्क

1.7 इति जहां बनाम अशोकन वाद में सर्वोच्च  
न्यायालय ने चयन के अधिकार को  
एक मूल अधिकार माना अतः समलैंगिक  
विवाह भी अनु. 21 के तहत मूल अधिकार है।

2.7 आफ़रिख क़ूरैनी व मिखिता अहमदों में  
लैंगिक भेदभाव करना अनु. 14 का उल्लंघन  
होगा जो समानता का अधिकार देता है।  
जैसे- वैवाहिक बलात्कार के मामले में

3.7 विश्व के कई देशों ने समलैंगिक  
विवाह को अमान्य माना है।



4.7 जस्टिस फुलान्गामी वाड में जिनता के  
ठाधिकार को FR माना है अतः समलैंगिक  
संबंध भी जिनता की ही अभिव्यक्ति है।

विप्लव में लक्ष → A7 स्पेशल मैरिज शब्द व  
पर्सनल ला में सुधार की लंबी उद्दिष्टिया  
व आम सहमति बनाना मुश्किल होगा।

B.7 बेनुद सरकार ने उच्च न्यायालय में इसका  
विरोध किया है।

C.7 विवाह व्यवस्था के इफित होने से प्रजनन,  
उत्तराधिकार व सौतान (इतुड) को लेकर  
नई समस्याएँ उत्पन्न होंगी।

मेरी राय में समलैंगिक विवाह  
को लेकर भारतीय समाज में अधिक विमर्श  
की जरूरत है; आम सहमति व व्यापक  
जनसमर्थन से ही इसे वैध बनाया जाना  
चाहिए।



(६) अंग्रेजी नीति व शासकीय नीति द्वारा समाज में परिवर्तन लाए जा सके हैं जैसे - (१) तीन तलाक़ को अवैध घोषित (२) अवरोध में प्रवेश (३) अती प्रथा जो सामाजिक आधार संस्था में वैध थी उसे अंग्रेजों द्वारा अवैध उक्त आज पूर्णतः समाप्त ।

अभी अभी अंग्रेजी प्रथा सामाजिक बदलाव लाने में असफल भी होते हैं जैसे डेज प्रथा शिवधाम अखि-१९६१ के बावजूद भारतीय समाज में डेज प्रथा जारी है अंग्रेजी समर्थन के बावजूद अंतर्जातीय विवाह माना दुर्ग ही होते हैं

उक्त: शासकीय नीति व सामाजिक नीति में अंगति लानी चाहिए



8. लॉयड एक सच्चा और ईमानदार अधिकारी है। वह एक ऐसे राज्य में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत है, जो गैंग कल्चर और आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात है। उसके वेदाग ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर, उसे चार महीने पहले राज्य की राजधानी में स्थानांतरित कर दिया गया था। इससे उसकी पत्नी और बेटी भी खुश हैं क्योंकि उनकी पिछली सभी पोस्टिंग की तुलना में राजधानी अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

हाल ही में, एक अपराधी जिस पर मुकदमा चल रहा था और उस पर कई गंभीर मामलों के आरोप थे, की अदालत ले जाते समय कुछ लोगों ने राजधानी में हत्या कर दी।

पुलिस हिरासत में अपराधियों की मौत के मामले में राज्य पुलिस का रिकॉर्ड खराब होने के कारण कई मानवाधिकार संगठन इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में अदालतों का दरवाजा खटखटाया है और बाद में इसकी जाँच-पड़ताल के लिए राज्य सरकार द्वारा एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है।

चूंकि इस घटना के दौरान अपराधी को ले जाने वाले पुलिस अधिकारी उस पुलिस स्टेशन से हैं जो लॉयड के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे सभी विवरणों के साथ SIT के सामने पेश होना होगा। जांच के दौरान लॉयड को ऐसे विवरण मिले, जो स्पष्ट रूप से एक प्रमुख राजनेता और अपराधी के बीच सांठगांठ को प्रदर्शित करते हैं। उसने एक रिपोर्ट तैयार की और इसे SIT के साथ साझा करने की योजना बना रहा है। उसके निष्कर्षों के आधार पर, संबंधित अपराधी और राजनेता की सांठगांठ उजागर होगी तथा राजनेता पर भी आरोप लग सकते हैं।

लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उससे रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में पूछा और रिपोर्ट से राजनेता को प्रभावित करने वाली जानकारी को हटाने की सलाह दी। लॉयड ने बताया कि रिपोर्ट में उल्लिखित राजनेता सार्वजनिक जीवन में एक बहुत ही प्रमुख व्यक्ति है और राज्य के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ उसके संबंध भी अच्छे हैं। लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे समझाते हुए कहा कि यदि वह उस राजनेता का नाम हटा देगा तो वह सत्ता में बैठे राजनेता का चेहरा बन सकता है। इसके अलावा, उसे राजधानी में तैनात रहने में भी मदद मिलेगी, जिससे उनकी पत्नी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

- (a) इस स्थिति से निपटने के लिए लॉयड के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- (b) प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और लॉयड द्वारा अपनाने योग्य सबसे उपयुक्त विकल्प की पहचान कीजिए।
- (c) पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों को रोकने के लिए आप क्या उपाय सुझाएंगे?

Lloyd is an honest and upright officer working as the Superintendent of Police in a state, which is notorious for gang culture and criminal activities. Based on his impeccable track record, he was transferred to the state capital four months ago. His wife and daughter are also happy as the capital city is comparatively safer compared to all his previous postings.

Recently, a criminal who was under trial and facing charges in a number of serious cases, was killed by some people in the capital city while he was being taken to the court.

Due to the poor record of the state police in terms of death of criminals in police custody, various human rights organizations are demanding a fair enquiry in the case. They have approached the courts in this matter and subsequently a Special Investigation Team (SIT) has been formed by the state government to look into this issue.



Since the police officers escorting the criminal during this incident are from the police station that comes under Lloyd's jurisdiction, he will be required to depose before the SIT with all the details. While investigating, he came across details, which clearly establish a nexus between a prominent politician and the criminal. He prepared a report and was planning to share it with the SIT. On the basis of his findings, the nexus of the concerned criminal with the politician would be exposed and the politician may also face charges.

Lloyd's senior asks him about the findings of the report and advises him to drop the information implicating the politician from the report. He informs that the politician mentioned in the report is a very prominent figure in public life, and shares good relations with all the major political parties in the state. His senior further informs that this will bring him in the good books of those in positions of power. Further, this will also help him remain posted in the capital city, which ensures the safety of his wife and daughter.

- What are the options available with Lloyd to deal with the situation?
- Critically evaluate each of the options and identify the most appropriate one for Lloyd to adopt.
- What measures would you suggest to prevent deaths in police custody

20

इस केस अध्ययन में फेड रचनाकार,  
दृष्टिगत में मौत व पुलिस प्रशासन के  
राजनीतिज्ञ जैसी चुनौतियों को उठाया गया  
है।

(9) लॉयड के पास उपलब्ध विकल्प: 'आपत्तिनात्मक'  
मूल्यांकन:

6.2.7 विकल्प - 2 लॉयड अपने आप को मामले से  
डाला कर ले तथा 'SIT' के  
समझ अपनी असहानता बता दें

लाभ → लॉयड राजनेता का नाम न लेकर  
राजधानी में ही पोस्टिंग रहेगा।



जो उसके परिष्कारित जीवन के लिए हीस भी  
है और अभिषेक में उसे इस निष्क्रियता  
का लाभ भी मिलेगा।

टिप → यह एक पलायनवादी कदम है। कां  
की निष्पेक्ष ओढ़ा नीतिगत व गीता के  
निष्काम कर्म का अलंघन है। आतं यह मै-  
काली व अनैतिक दोनों ही हैं।

दूसरा विषय

↳ SRT के समूह अपनी रिपोर्ट उस्तुत  
करें और निष्पक्ष होकर पूरी ईमानदारी  
से सच उजागर करें।

लाभ → अपनी आंतरात्मा की आवाज सुनना  
नैतिक है। 'अरररु' भी कहते हैं कि "व्यक्ति  
को वह करना चाहिए जो सही है वह नहीं  
जो सब करते हैं।"

→ पुलिस अधीनस्थ कर्म में यही उसका  
कर्तव्य भी है।



उपयुक्त विकल्प

↳ लॉर्ड के एक व्यवहारिक विकल्प का पयन करना चाहिए। उसे सबसे पहले अपने वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य मुख्यमंत्री को विश्वास में लेकर समझाना चाहिए कि यह दीर्घकालीन रूप से राज्य व पुलिस प्रशासन के लिए सही नहीं है कि इस तरह के आपराधिक घटनाक्रमों को राजनेताओं का संरक्षण दिया जाए।

↳ उसके बाद उसे DIT के समक्ष अपनी रिपोर्ट प्रेशेर कर्तव्यों व नैतिकता के उच्च मानकों के अनुसार तैयार कर प्रस्तुत करनी चाहिए।

- पुलिस का राजनीतिक दुरुपयोग, फेड रनकांउटर और द्वािसत में मौत भुप व कुशासन को गंभीर है। आत. इन्सुरेक्शन के रिपोर्ट मुख्यमंत्री के सामने भी



उम्मुत भी जा सकती है।

लॉयड को अल्पकालीन लाभ व राजनीतिक दबाव में आ कर गलत बयानी या गलत रिपोर्ट नहीं देने चाहिए व्यक्ति दीर्घकालीन जीवन में नैतिकता व धर्म की अमाई ही काम आती है न कि राजनीतिक आंठ गाठ

परिवार व व्यक्तिगत हितों से आगे बढ़कर उसे RPS सेवा के उच्च मानकों व अजीत डोभाल जैसे अधिकारियों को आदेश मानकर विभागाध्यक्ष, सर्वोच्च व व्यक्तिगत में कार्यवाही करनी चाहिए।

(1) पुलिस दृष्टि में ऐसे व्यक्ति मौतों को रोकने हेतु उपाय

6.7. जिसस मुल्ला उमेदी के अनुसार जेल सुधार के लक्ष्य के तहत 70% विचारधीन कैदियों को ग्रीक सुनवाई शुरू



2.7 मॉडल जेल नियमावली 2016, मॉडल जेल  
रिपोर्ट 2022 को राज्यों को अपनाने का  
अनुपाद (आपराइटिव डंड प्रक्रिया व जेल) में  
करने चाहिए।

3.7 ILPPR के अनुसार मानव अधिकार संगठनों  
का जेल निरीक्षण करवाना चाहिए।

4.7 पुलिस प्रशासन को समानुभूति, नगरिक  
अधिकार संबंधी प्रशिक्षण देना।

3.7 AI, CCTV, इस प्रौद्योगिकी को अपनाना  
करना।

CCTV अपनाना तो तय कर  
सकता है लेकिन साधनिय नहीं इसलिए  
इस रैमी आपराधिक डंड प्रक्रिया हो जो  
मनुष्य को साध्य मान साधन नहीं।



9. राज, बेहद गरीब परिवार से है और आर्थिक तंगी के कारण उसे अपनी उच्चतर शिक्षा भी ठीक से नहीं हो पाई। हालांकि, वह मेहनती था और उसने अपने परिवार का समर्थन करने के लिए कॉलेज के दिनों में ही कमाई शुरू कर दी थी।

उसने अपना करियर ग्राहक सहायता विभाग में बनाया तथा उसकी ईमानदारी और कड़ी मेहनत के कारण उसे पदोन्नत भी किया गया। हाल ही में, उसे एक बेहद नामी एड-टेक कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला। उसने इस ऑफर को सहर्ष स्वीकार कर लिया, क्योंकि यह कंपनी उसके वेतन में अच्छी वृद्धि के साथ-साथ टीम लीड पद पर पदोन्नति ऑफर कर रही थी।

राज इस नई नौकरी से बहुत खुश था और उसे लगा कि उसकी कई वर्षों की मेहनत आखिरकार सफल हो गई है। उसकी नई नौकरी में वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि से उसके लिए उसकी छोटी बहन को पढ़ाना आसान हो जाएगा। हालांकि, कंपनी में ज्वाइन करने के कुछ महीनों के भीतर ही राज को एहसास हुआ कि कंपनी की व्यावसायिक प्रथाओं में कुछ गड़बड़ी है। उसकी ग्राहक सहायता टीम को प्रायः गरीब छात्रों के माता-पिता के फोन आते रहते थे जिन्होंने शिकायत की थी कि कंपनी उन्हें विभिन्न महंगे पाठ्यक्रमों के लिए ऋण या वित्त-पोषण विकल्पों पर गुमराह कर रही है।

कुछ विवरणों को जानने के बाद उसे एहसास हुआ कि उसकी कंपनी की सेल्स टीम गरीब माता-पिता को अपने बच्चों हेतु पाठ्यक्रम खरीदने के लिए लुभाने में कदाचार का सहारा लेती थी। राजू ने इसकी जानकारी अपने विभाग के प्रमुख को दी लेकिन विभागाध्यक्ष को इसकी कोई चिंता नहीं थी। उसके कुछ सहकर्मियों ने उसे बताया कि सेल्स के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एड-टेक उद्योग में यह एक आम प्रणाली है। इसके अलावा, उसे यह भी बताया गया कि हाल ही में स्टार्ट-अप्स में फंडिंग की कमी के कारण कंपनी पर मुनाफा दिखाने का अधिक दबाव है, अन्यथा बड़े पैमाने पर छंटनी होगी।

- इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त परिस्थितियों में, राज के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- इनमें से प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
- राज को कौन-सी कार्रवाई अपनानी चाहिए? वैध कारणों के माध्यम से पुष्टि कीजिए।

Raj comes from a very poor family and due to financial constraints, he had to compromise on his higher education. But, he was hard-working and started earning during his college days to support his family.

He made his career in the customer support department and due to his integrity and hard work, he was promoted. Recently, he got a job offer from a very prominent ed-tech company. He happily accepted the offer, as the company was offering a significant salary hike as well as promotion to a Team Lead position.

Raj was really happy with this new job and felt that his hard work of many years had finally paid off. The significant salary jump in his new job would also help him sponsor the education of his younger sister. But, within a few months of joining, Raj realized that something was wrong with the business practices of the company. His customer support team frequently received calls from parents of poor students who complained about the company misleading them on loans or financing options for the various expensive courses.



After going into some details, he realized that the sales team of his company was indulging in malpractices to lure poor parents to buy courses for their children. He informed this to the head of his department but the head did not seem concerned. Some of his colleagues informed him that this is a normal practice in the ed-tech industry to achieve sales targets. Further, he was also informed that due to the recent funding crunch in start-ups, the company is under severe pressure to show profits, else there will be mass layoffs.

- (a) Identify the ethical issues associated with the case above.
- (b) Under the given conditions, what are the options available to Raj?
- (c) Critically evaluate each of these options.
- (d) What course of action should Raj adopt? Justify with valid reasons. 20

व्यावसायिक नीतिका, कॉर्पोरेट गवर्नेंस व

फेड विज्ञान जैसी समस्याओं को इस अध्ययन में उठाया गया है।

(1) हितधारक

नीति मुद्दे

1-7 राज → व्यवसाय लाभ बनाम मानवीय नीतिका में संघर्ष है।

→ आंशिकता की आवाज व जीवन की चुनौतियों में डूबे हैं।

2-7 अपनी → स्टार्ट-अप क्षेत्र में बने रहना व प्रतिस्पर्धा करना सब मुद्दा

→ लाभ उठाना बनाम समाज



3.7 समाज → जिम्पूज सेवा की जा रही व  
सामाजिक न्याय का मुद्दा

4.7 सरकार → निवेश, उद्योगिक संरक्षा व  
मुपाय, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस  
कॉर्पोरेट गवर्नेंस का मुद्दा

1b) राज के समस्त उपलब्ध विकल्प

❶ राज यदि तो पूरे पकरण पर भूक बना  
रह सकता है। क्योंकि कंपनी के हित  
में भी उसका भी हित है यदि वह  
शिवायत करता है या विदेशी व्यापार की  
भूमिका जिभाता है तो उसका परिचय  
समाप्त हो सकता है।

❷ राज विभागाध्यक्ष को समझा सकता है  
कि यह दीर्घकालीन रूप से कंपनी की  
वाँट के लिए पुनर्गठन दे सकित होगा और  
कंपनी का अस्तित्व स्तर में पड़ जायेगा  
जैसे वायुमंडल रूंद हो



① राज इसके मीडिया में उजागर भी कर सकता है। कंपनी पर मीडिया का ख़ाब पड़ेगा तो सुधार होगा लेकिन इससे अपनी उसे जॉब से बर्खास्त होगी जो उसके पारिवारिक जीवन, उसकी वत्न की पवर्स को प्रभावित करेगा।

② राज की उचित कार्यवाही और तर्क

→ राज को सबसे पहले अपने उच्च-अधिकारियों के समझ भेड़ों को उठाना चाहिए। क्योंकि यह मार्केटिंग व बिजनेस एक्टिविटी के भी खिलाफ है।

→ राज को प्रभाषी पैवी करत हुए सबसे महमति से अपनी वे टित में 'बोर्ड मेंबर' को पत्र लिखना चाहिए।

→ TATA व Google के वर्क-कल्चर व ट्रस्ट ब्रॉड का उदाहरण देकर



उच्च अधिकारियों को सहमत करना चाहिए।

→ यदि इन सब में राज असफल होता है तो उसे कुछ समय के लिए मुक्त बने रहना होगा क्योंकि कोर्पोरेट में यह उभिला जाती नहीं कर सकता लेकिन उसे अपने स्तर पर एक आर्द्र स्वच्छ माध्यमिका से संस्कृति का परिभाष करते हुए एक आर्द्र पेश करना चाहिए।

→ जल्द ही उसे एक इसरी नीकरी की तलाश भी करनी चाहिए और आंतरात्मा से समझौता कर बिना विस्मय ब्रोक के रूप में 111, 112 और मेरी को इसकी सुझा देनी चाहिए।

गोपी जी कहते हैं कि अपराध व अन्याय को सहना उसका भागी बनने से समान ही अनैतिक है।



10. नगर निगम प्रमुख के रूप में, आपको एक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ रहा है जिसमें संबंधित नागरिकों के दो समूहों ने आपसे संपर्क किया है। पहला समूह शहर में आवारा कुत्तों के खतरे के बारे में अपनी निराशा एवं चिंता व्यक्त कर रहा है और दूसरा समूह, इन बेजुबान जानवरों के प्रति करुणा व मानवीय व्यवहार को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह कर रहा है।

पहली याचिका में आवारा कुत्तों द्वारा समाज के सुभेद्य वर्ग, विशेषरूप से बच्चों पर हमला करने या उन्हें जान से मारने की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। उनका कहना है कि यह स्थिति कुत्तों की अपर्याप्त नसबंदी और टीकाकरण के कारण हुई है। वे सड़क के कुत्तों को तत्काल हटाने और उन्हें अन्यत्र भेजने की मांग कर रहे हैं।

हालांकि, दूसरी याचिका में यह कहा गया है कि इस समस्या का मूल कारण अप्रभावी पशु स्वास्थ्य देखभाल और नियंत्रण, अवैध प्रजनन केंद्र, पालतू जानवरों के मालिकों द्वारा उन्हें सड़कों पर छोड़ देना है। उनका तर्क है कि इस स्थिति के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए, जानवरों को नहीं।

इसके अतिरिक्त, भारत में ऐसे कानून हैं जिसके तहत सड़कों से कुत्ते को हटाना गैर-कानूनी है। इसका मतलब यह है कि यदि कोई कुत्ता सड़क पर रहता है, तो गोद लिए जाने तक सड़क पर रहना उसका "अधिकार" है। जानवरों के जीवन के अधिकार को मानव सुरक्षा संबंधी चिंताओं के साथ संतुलित करना एक कठिन काम सिद्ध हो रहा है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाएं कौन-सी हैं?

(b) एक याचिका को दूसरे पर तरजीह देने के निहितार्थों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) कौन-सी कार्रवाई से इस स्थिति का तात्कालिक और दीर्घावधि समाधान होगा?

As the Head of the Municipal Corporation, you are faced with a challenging situation wherein two groups of concerned citizens have approached you. One, expressing their frustrations and concerns regarding the menace caused by street dogs in the city and other, taking steps towards encouraging compassion and humane treatment to these silent beings.

The first plea highlights the rising incidents of stray dogs' attacking or killing the vulnerable members of society especially children. They point to inadequate sterilisation and vaccination of dogs as exacerbating the situation. They demand the immediate removal of street dogs and their relocation elsewhere.

The second plea however points to ineffective animal healthcare and control, illegal breeding centres, pet owners abandoning their pets on the streets as root of the problem. They argue that the system or the people responsible for the situation should be punished, not the animals.

Furthermore, India has laws in place that make it illegal to remove a dog from the streets. This means that once a dog is on the streets, it has a "right" to stay there unless adopted. Balancing the animals' right to life with human safety concerns is proving to be a difficult task.

(a) What are the ethical dilemmas involved in the case?

(b) Evaluate the implications of favouring one plea over the other.

(c) What course of action would resolve the situation in the immediate as well as long term?



यह इस अध्याय भिलम मेर की  
किताब निमल लिब्रेशन में पशुअधिकारों व  
मानवाधिकारों के मध्य इन्हें जो बताया गया  
है उससे संबंधित है।

नैतिक दृष्टिकोण

1.7 आर्ने नेस के अनुसार पारिस्थितिकी  
नैतिकता में पशुओं को भी वही अधिकार  
मिलने चाहिए वही दूसरी ओर उत्तर  
के मानवाधिकारों में मनुष्य को ही अधिक  
माना है।

2.7 'हर जगम पुमुख' के रूप में  
मेरे सामने दो समस्याओं की बातें हैं व  
मांगों में संतुलन का इन्हें है।

3.7 भौतिकवाद बनाम मानवावाद  
में इन्हें है।



⑥ यदि पहली दृष्टि का क्षेत्र अधिक बढ़ा जाय तो मनुष्यों के अधिकारों की तो रक्षा होगी लेकिन 'कुत्तों' को व्यापक रूप से सड़कों से हटाने उन्हें आनका छोड़ने से पशु-अधिकारों का उत्थान होगा और यह शान्ति व दीर्घकालीन समाधान भी नहीं है।

⑦ यदि इससे पता चि बात मानी जाय तो कुत्तों द्वारा मानव जीवन के खतरा अनुमाने - 19 21 के तहत मूल अधिकारों का उत्थान होगा। साथ ही सार्वभौमिक लोक-स्वतंत्र्य और सुरक्षा को बनाए रखना भी सुनिश्चित होगा।

⑧ प्रभावी करिबर्ड व दीर्घकालीन समाधान

→ अगर प्रशासन के पशु अधिकार कानूनों



से अवगत कराना हुआ। सर्वप्रथम कुत्तों को  
संरक्षा का स्टीक आकलन तैयार कर  
रख नीति बनाई जाए।

→ 2.7 N/A, पशु अधिकार कार्यकर्ताओं  
की सहायता से कुत्तों के लीकेशन,  
नसबंदी व स्वास्थ्य जाँच को लेकर एक  
जन जागरूकता अभियान का सम्पानन किया  
जायेगा।

3.7 कुत्तों को छोड़ने वालों को  
समझाने के लिए एक आपराध प्रत्यक्षता  
बनाई जाए। जुमाने का प्रावधान किया  
जा सकता है।

4.7 नगरीय वन, पार्क व  
ड्रैम एड्स का जर्माण किया जा  
सकता है। कुत्तों को जुमाने व अन्य  
पार्क को डाला किया जा सकता।



धन हल्थ शेयर्स को ध्यान में  
रखते हुए पुनर्निर्माण बीमारियों को लेकर  
व्यापक जागरूकता भी प्रचारित करनी  
होगी।

उक्त एक मध्यममार्गी आपनौत  
दुसरे स्तर पर समाधान अपनाया  
जा सकता है। ल्यूचार्क प्रशासन को  
बेस अध्ययन के रूप में नगरपालिका  
के अभियंताओं के प्रशिक्षण में शामिल  
करना।



11. आप युवा ईमानदार व्यक्ति हैं और जिले के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में आपकी नई नियुक्त हुई है। ब्यूरो में शामिल होने के बाद, आपके कार्यालय को एक गुमनाम व्यक्ति से सूचना मिली कि शहर के नगर निगम में काम करने वाले एक इंजीनियर ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है और वह भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल है। चूंकि कानून में यह स्पष्ट है कि गुमनाम शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की जा सकती, इसलिए आप शिकायत को नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, अगले कुछ हफ्तों में आपको संबंधित इंजीनियर के खिलाफ कुछ और गुमनाम शिकायतें मिलीं। आप उस इंजीनियर के खिलाफ पूछताछ शुरू करते हैं और यह पाते हैं कि वह वास्तव में एक बहुत ही भ्रष्ट अधिकारी है। कुछ समय बाद, आप उसके कार्यालय और घर पर छापेमारी की योजना बनाते हैं, किंतु आपको आज तक उसके खिलाफ निर्धारित प्रारूप में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।

छापेमारी के दौरान आपको जो चीजें बरामद हुईं वे आपके और आपके स्टाफ के लिए चौंकाने वाली हैं। आपको न केवल इंजीनियर की क्षमता से कहीं अधिक मात्रा में बेहिसाब धन-दौलत मिली बल्कि सोना, विदेश यात्रा के टिकट, पांच सितारा होटलों में आरक्षण तथा प्रभावशाली राजनेताओं तथा जिले में पहले नियुक्त और वर्तमान में नियुक्त नौकरशाहों के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले।

हालांकि, छापेमारी के तुरंत बाद, आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों से आपके दीर्घकालिक करियर और प्रियजनों की सुरक्षा के हित में जांच छोड़ने के लिए धमकी भरे संदेश प्राप्त होने लगते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर आरोप लगाते हैं कि आपने छापेमारी के लिए निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया था और यदि यह मामला अदालत तक पहुंच गया, तो प्रक्रियात्मक खामियों के कारण यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा।

चूंकि, आप एक ईमानदार अधिकारी हैं इसलिए आप इन चेतावनियों को अनदेखा करते हैं और अपनी जांच जारी रखते हैं। हालांकि, जल्द ही आपको नियमों का उल्लंघन करने के आधार पर प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया जाता है। आपको यह भी पता चलता है कि आपके कुछ जूनियर्स ने आपके खिलाफ भ्रष्टाचार में शामिल होने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने यह भी शिकायत की है कि आपने उन्हें जांच को रोकने के लिए न केवल संबंधित इंजीनियर बल्कि उन राजनेताओं और नौकरशाहों से भी पैसे वसूलने का निर्देश दिया, जिनके खिलाफ आपने सबूत इकट्ठे किए थे।

उपर्युक्त परिदृश्य के आधार पर निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल विभिन्न हितधारकों एवं मुद्दों की पहचान कीजिए।
- प्रदत्त स्थिति में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- इनमें से प्रत्येक विकल्प के गुण और दोषों का विश्लेषण कीजिए।
- औचित्य सिद्ध करते हुए अपनी कार्रवाई पर चर्चा कीजिए।

You are young upright person who has been newly appointed in the Anti-Corruption Bureau of your district. After joining, your office receives a tip-off from an anonymous person that an engineer working with the Municipal Corporation of the city has amassed wealth much beyond his known sources of income and is hand in gloves in corrupt activities. Because the law is clear that anonymous complaints cannot be acted upon, you ignore the complaint. But in the next few weeks, you receive a few more anonymous complaints against the concerned engineer. You begin to make enquiries against the engineer and find that he is indeed a very corrupt officer. Some



time later, you make up your mind to conduct raids on his office and house, even though you have not received any official complaint in the prescribed format against him till date.

What you unearth during the raids is shocking for you and your staff. You find not only vast amounts of unaccounted currency, much beyond the means of the engineer, but also gold, travel tickets to visits made abroad, reservations in five-star hotels, and a whole bunch of clinching evidence against influential politicians and bureaucrats - appointed in the past as well as present ones - in the district.

However, soon after conducting the raid, you start receiving subtle messages from your superiors to drop the investigation in the interest of your own long-term career and the safety and security of your loved ones. They also point out that you had not followed the rules stipulated for conducting the raid, and if the matter were to reach the courts, it would be disposed off in no time due to procedural lapses on your part.

Since, you are an upright officer, you ignore these warnings and continue with your investigation. However, soon you are put on administrative leave on the ground of flouting the rules. You also come to know that a few of your juniors have filed a complaint against you for being involved in corruption. They have also complained that you instructed them to extort money from not only the concerned engineer but also the politicians and bureaucrats against whom you unearthed evidence, to put a halt to the investigation.

Based on the above scenario, answer the following:

- Identify the various stakeholders and the issues involved in the case.
- What options do you have in the given situation?
- Analyse the merits and demerits of each of these options.
- Discuss your course of action, with proper justification.

20

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के अनुसार भारत में ईमानदार के जताइया व वैश्वमान के मनमान रूप से पुरस्कृत करने का पालन है। यह बेस अध्यायन उम्मी और सैक्रे करता है। -



(जुजियस)

• साद गोट के इन्टै औराप  
• मूल्यों से भरोसा

मुफ्त ~~कान~~ इंजीनीयर

↳ अपराधी व अनैतिक  
जीवन

मुफ्त औरपी  
राजनेता

राजनीति का  
रुहाना दीन देना

विद्यार्थक  
व  
मुद्दे

मुफ्त  
करिप्ट नाबरशाह

मुफ्तान्तर में संलिप्तता  
व नीतिवता का हब्ब

मैं (इमानदार अधिकारी)  
के रूप में

↳ व्यक्तिगत हित वनाम सार्वजनिक हित  
- अंतरात्मा से आवाज व करियर लाभ  
- पुरात्मक कर्तव्य व भौतिक लाभ  
- आलुपकालीन वनाम दीर्घकालीन हित

(6) मैं समझ उपलब्ध विकल्प व उनके गुण-दोष

7.7 मैं समझता हूँ व अपनी जरूरतें  
संबंधी रिपोर्ट को बंद कर दूँ।

लाभ → इससे मैं व्यक्तिगत जीवन के हित  
प्रेर होंगे। मैं पडयंत्र का शिकार



होने से बच जाऊंगा और हो सकता है  
इसके लिए मुझे मौद्रिक लाभ व अच्छी  
पोस्टिंग भी मिले।

उदाहरण → अपराध का सहभागी बन जाऊंगा  
→ भ्रष्टाचार ज्वारण करे। 1988 के तहत  
सहभागी होना भी अपराध है।  
→ गांधी जी के नीतिशास्त्र के अनुसार  
किसी मूल्य में विश्वास करना और उसे  
न जीना भी वैश्यानी है॥

L-72. इसरा बिल है कि मैं बहुत जुदावर  
अपनी बुझाई कोट में साबित कर  
और पीछे नहीं हटू।

लाभ - यह मुश्किल व जटिल है लेकिन  
यही सही व सच्ची भाव है। यह  
मेरे मूल्यों के अनुसार भी उचित  
होगा।



(1) डोष → यह व्यवहारिक कदम नहीं है। मैं  
डोषणा पूरे पड़चित्र को उजागर करने  
में असफल हुआ तो मेरा सम्पूर्ण  
भविष्य नष्ट हो सकता है और मुझे  
जेल भी हो सकती है या फिर रुख  
लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

(2) मेरी अर्जवाइ → मैं सबसे पहले यह  
सुनिश्चित करूंगा कि मुझे इंजीनियर के  
खिलाफ़ बहुत सीक्रेट व जाँच पेशेवर हो  
PMLE-2002 के अनुसार आरोप-पत्र तैयार  
कर दायर करूंगा।

→ मैं खिलाफ़ लगने वाले बूढ़े  
आरोपों का सामना यू. भगवत जैसे लोक-  
सेवकों को आर्डर मानकर करूंगा। साथ ही  
आपनी बेगुनाही के लिए बहुत बार्त में पेश



करेगा। अनावश्यक पेशान करें व  
झूठ और पल्लवों की डिवायन विभागाध्यक्ष  
और राजनीति प्रमुख को भी होगा।

— विद्वत् गौरव रम 2014 की

महत्वा से भ्रष्ट अधिकारियों व नेताओं के  
करनामों को उजागर करेगा। साथ ही  
'अशोध वेबसाइट' (IAS) की तरह आपने  
वैदिक करियर को समेत रखेगा।

मेरा गहरा विश्वास उपजिंदों  
के महावाक्य - आत्मैव जयते में है।  
मैं अंत में अपनी वैदिकी सखि का  
पाठिगा।



12. आपको एक राज्य में मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। हाल ही में, आपके राज्य के दो लोक सेवकों से जुड़ा एक जटिल मुद्दा सामने आया है। दोनों अधिकारी जो अपनी-अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, सोशल मीडिया पर एक गंभीर सार्वजनिक झगड़े में उलझ गए हैं।

अधिकारी A के द्वारा सोशल मीडिया पर कई इमेज और बयानों को पोस्ट करने के बाद यह विवाद शुरू हुआ, जिसका अंतर्निहित अर्थ यह था कि अधिकारी B, पोस्टिंग और पदोन्नति में अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत संबंधों एवं नेटवर्किंग का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, यह कार्रवाई अप्रमाणित है लेकिन इसने अफवाहों का तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे अधिकारी B की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची।

अनुक्रिया स्वरूप अधिकारी B ने सोशल मीडिया पर ही अपना बचाव किया तथा अधिकारी A पर अनैतिक प्रथाओं को अपनाने और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया। वह अपने आंतरिक विभागीय मुद्दों का खुलासा करके एक कदम आगे बढ़ गई, जिसमें अधिकारी A कथित तौर पर शामिल था। इन आरोपों ने न केवल संघर्ष को बढ़ाया बल्कि जनता के सामने संवेदनशील जानकारी भी उजागर कर दी।

अधिकारी A के सोशल मीडिया पोस्ट को एक स्थानीय समाचार आउटलेट ने प्रमुखता से उठाया एवं उसे प्रचारित किया, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई। यह मुद्दा अब राज्य प्रशासन के दायरे से बाहर चला गया है, जिससे सार्वजनिक अटकलें और मीडिया जांच तेज हो गई है।

ये सभी घटनाएं सार्वजनिक मंच पर सामने आईं, इससे लोक सेवाओं की छवि खराब हुई है और राज्य प्रशासन के काम-काज में व्यवधान पैदा हुआ। केंद्र सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए दबाव डाला गया है।

- (a) इस प्रकरण में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?  
(b) मुख्य सचिव के रूप में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?  
(c) आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

You have been appointed as the Chief Secretary in a state. Recently, a complex issue has surfaced involving two civil servants from your state. Both the officers who are known for their excellence in their respective roles have found themselves embroiled in an intense public feud on social media.

Officer A initiated the dispute by posting a series of images and statements on social media, indirectly implying that Officer B has been utilizing personal relationships and networking for gaining undue advantages in job postings and promotions. This action, while unproven, has stirred up a storm of rumors, leading to severe reputational damage to Officer B.

In response, Officer B defended herself on the same platform, accusing Officer A of unethical practices and breach of confidentiality. She went a step further by revealing his internal departmental issues, which Officer A was supposedly involved in. These allegations have not only escalated the conflict but also exposed sensitive information to the public.



Officer A's social media posts have been prominently picked up and publicised by a local news outlet further escalating the situation. The issue has now gone beyond the realms of the state administration, leading to intense public speculation and media scrutiny.

All these events have unfolded on a public platform and have tarnished the image of the civil services and created a disruption in the working of the state administration. The Central Government is closely monitoring the situation and has exerted pressure for appropriate disciplinary action against the officers involved.

- What are ethical issues involved in this situation?
- What are the options available to you as the Chief Secretary?
- Which option would you choose and why?

20

लोकसेवा में अनसिता के मुख्य,  
वर्षा सोशल मीडिया के दुरुप्रयोग व लोक सेवाओं  
में इंग्लिश जैसी समस्याओं को इस  
उम्र हाइवचन में उठाया गया है।  
नीति मुद्दा → 1) लोक सेवा आयोग नियमवली -  
1964 का उल्लंघन होना  
→ 2) संविधानिक कृति 1934  
का उल्लंघन होना का मुद्दा  
3) लोक सेवा के प्रति जन विश्वास में बर्फी  
4) सोशल मीडिया के दुरुप्रयोग का मुद्दा  
5) विभागीय विधायक पदार्थ तंत्र व विवाद  
समाधान प्रणाली का अभाव का मुद्दा



(b) मुख्य मन्त्रि के रूप में मैं सोमन उपलब्ध  
विकल्प —

2.7 डोनों अधिकारियों को APO करना

2.7 बन्द से अनुवासनात्मक बर्खास्त के  
अनुसार डोनों पर कार्यवाही

3.7 डोनों को बुलाकर आपसी विवाद  
समाधान करना

4.7 अपने आप को मुँह से  
अलग कर लेना।

5.7 डोनों से शांति बनाने की रुक  
सर्वप्रति आपीन करना।

(c) मेरी कार्यवाही — रात्रिपथम मुख्य मन्त्रि

के रूप में मैं विवाद पर त्वरित प्रतिक्रिया

दोते हुए डोनों को सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया

न डोने के निर्देश देगा।

(d) तत्पश्चात डोनों को CMO  
मन्त्रिमण्डल में उपस्थित का निर्देश देगा।



③ सोशल मीडिया पर सार्वजनिक वचनवाजी के खिलाफ कानून के खिलाफ अवरोधों हेतु यह अनुशासनात्मक कमेटी का गठन करेगा।

④ कानून के इस वर्ग के लिए आपने मूल पर से धाकड़ उन्हें संप्रतिष्ठान में निष्क्रिय पेशिवा की जायेगी

⑤ खिलाफ सेवा आचरण नियमवली के अनुसार अवरोध करेगा यदि अप्रिय में कोई लोक सेवा पर की गोरमा का अचर्य न करे।

⑥ लोकसेवा समाज का आर्द्र होता है डाक इस तरह के आचरण के लिए बावनी इस भी उगाईगा।

⑦ आपसी विवाद के समाप्त करने के लिए उन्हें मित्रों व



शाशा दितैषियो को भी समझाईगा।  
 दोनों ही लोक सेवा स्पर्धा  
 के लिए अग्रणी मान्य संसाधन हैं  
 डा. योगेश्वरी व पिंकी रेगुलेशन से  
 काम होगा।